NON-COLLEGIATE WOMEN'S EDUCATION BOARD
(UNIVERSITY OF DELHI)

LAKSHMIBAI COLLEGE

Presents

वार्षिक प्रतिवेदन संकलन

(सत्र 2024-2025)

Annual Report Compilation

(Session 2024-2025)

NON-COLLEGIATE WOMEN'S EDUCATION BOARD
(UNIVERSITY OF DELHI)
LAKSHMIBAI COLLEGE

वार्षिक प्रतिवेदन संकलन
(सत्र 2024-2025)

Prof. GEETA BHATT
(Director, NCWEB)
University of Delhi

Prof. PRATYUSH VATSALA
(Principal)
Patron

Ms. ANITA
(Teacher-in-Charge)
Convenor

Ms. LAXMI TIWARI
(Joint Teacher-in-Charge)
Co-Convenor

Mr. AJAY KUMAR KUMAWAT
(Teaching Faculty - History)
Editor
(Reports Written and Compilation)

अनुक्रमणिका (Index)

From the Desk of Principal……….......................….......................... 4

A Message from Teacher-In-Charge.........................…......................... 5

एक संदेश सयुंक्त केन्द्र-प्रभारी की ओर से................................…......................... 6

सम्पादक की कलम से..…...................... 8

क्रम संख्या	कार्यक्रम	दिनाँक	पृष्ठ संख्या
1.	ओरिएंटेशन कार्यक्रम	21 सितम्बर, 2024	10
2.	लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती समारोह	30 नवम्बर, 2024	19
3.	एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. मुख्य कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'यूथ फ़ॉर साइबर वेलनेस' में लक्ष्मीबाई कॉलेज केन्द्र की सहभागिता	14 जनवरी, 2025	25
4.	सरस्वती पूजन एवं हवन (बसन्त पंचमी)	2 फरवरी, 2025	28
5.	खेल दिवस (स्पोर्ट्स डे)	2 फरवरी, 2025	30
6.	एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. मुख्य कार्यालय के वार्षिक महोत्सव में लक्ष्मीबाई कॉलेज केन्द्र की सहभागिता	7 अप्रैल, 2025	32
7.	कॉलेज केन्द्र का वार्षिक महोत्सव	13 अप्रैल, 2025	35
8.	तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए विदाई समारोह	5 मई, 2025	38

From the Desk of Principal…

I wish to express my gratitude to the Governing Body Members, Faculty Members, Non-Teaching staff and Students for their consistent support. We will continue to put together our efforts to make Lakshmibai College an institute of excellence.

June, 2025 (Delhi)

Prof. Pratyush Vatsala

Principal

Lakshmibai College Centre,

University of Delhi

A Message from the Teacher-In-Charge…

I express my sincere deepest gratitude to the Principal, Prof. Pratyush Vatsala for having faith in me and giving me the opportunity to serve as the Teacher - in- Charge of the NCWEB centre of the Lakshmibai College for the 2024-25 session. It was indeed a great experience serving as the TIC. Professor Vatsala guided me and stood by all the difficult times while taking some tough decisions whenever any situation warranted. She has been a great source of inspiration.

Special thanks to my dear friend cum the joint Teacher-In-Charge, Ms. Laxmi Tiwari for her understanding, timely and tireless support in running the session. She executed all the tasks assigned to her with courageously and dedication. A huge credit goes to the entire Teaching Staffs who with the collective wisdom performed all their duties.

Last but not the least, I owe thanks to the entire Non-Teaching Staff who worked with complete positivity and making the working environment conducive in all respects in the institute.

I wish all the best to my dear students for their future ahead, they all come with flying colours in their endeavours.

June, 2025 (Delhi)

Ms. Anita

Teacher-In-Charge

Non-Collegiate Women's Education Board,

Lakshmibai College Centre,

University of Delhi

एक संदेश सयुंक्त केन्द्र-प्रभारी की ओर से...

अभिवादन!

"हमें वह शिक्षा चाहिए जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विस्तार हो, और जिससे व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो सके।"   - स्वामी विवेकानंद

उपरोक्त पंक्तियाँ शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को दर्शाती हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री एवं प्रमाण-पत्र देना भर नहीं है। बल्कि शिक्षा वह प्रभावी उपकरण है जिसके माध्यम से कोई व्यक्ति राष्ट्र एवं समाज के उत्थान में सहयोगी बन सके। इन्हीं मानकों के आधार पर दिल्ली विश्वविद्यालय के एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. द्वारा विभिन्न महाविद्यालय केन्द्रों पर विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है। इन्हीं केन्द्रों में से एक है अपना लक्ष्मीबाई महाविद्यालय केन्द्र...

एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. की छात्राओं द्वारा केवल सप्ताहांत (Weekend) में कक्षाएँ करते हुए नियमित विद्यार्थियों के समान ही अपनी शिक्षा पूर्ण करना, उन्हें और अधिक विशिष्ट बनाता है। इसी कड़ी में, छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय केन्द्र द्वारा समय-समय पर अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन सभी गतिविधियों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। इनमें से कुछ गतिविधियाँ तो महाविद्यालय केन्द्र के बाहर विश्वविद्यालय स्तर पर भी रहीं। वर्तमान सत्र की समस्त गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत कर रहा है *'वार्षिक प्रतिवेदन संकलन – 2025'* का यह अंक...

सयुंक्त केन्द्र-प्रभारी के रूप में कार्यभार का निर्वहन करना निश्चित ही मेरे लिए सौभाग्य का विषय रहा। इस दौरान मुझे नित नए अनुभव प्राप्त हुए जिनसे निश्चित ही मेरी 'समस्या समाधान क्षमता (Problem Solving Ability)' में वृद्धि हुई। सयुंक्त केन्द्र-प्रभारी का दायित्त्वभार मुझे सौंपने और मुझमें विश्वास जताने के लिए मैं महाविद्यालय प्राचार्य आदरणीया *प्रो. प्रत्यूष वत्सला* का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करती हूँ। मैं धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ कार्यभार में मुझसे वरिष्ठ सहकर्मी, पूर्णतः अनुशासित और कर्त्तव्यनिष्ठ महाविद्यालय केन्द्र-प्रभारी *सुश्री अनीता* का, जिन्होंने मुझ पर सदैव अपना स्नेह बनाए रखा।

महाविद्यालय केन्द्र पर आयोजित होने वाला कोई भी कार्यक्रम शिक्षक साथियों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों एवं छात्राओं के सकारात्मक दृष्टिकोण के बिना सम्भव ना था। अतः इन सभी को विशेष रूप से साधुवाद...

शेष सब कुशल...

जून, 2025 (दिल्ली)

सुश्री लक्ष्मी तिवारी

सयुंक्त केन्द्र-प्रभारी

नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड,

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय केन्द्र,

दिल्ली विश्वविद्यालय

सम्पादक की कलम से…

सादर नमस्कार,

'वार्षिक प्रतिवेदन संकलन-2025' का यह अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यंत अभिभूत महसूस कर रहा हूँ। 'संकलन' का यह अंक जब आप पढ़ रहे होंगे, तब तक विश्वविद्यालय की परीक्षाएँ सम्पन्न हो चुकी होंगी। अब आप सब विद्यार्थियों के ग्रीष्मावकाश (Summer Vacations) चल रहे होंगे। यह सम्पूर्ण विश्वविद्यालय के लिए वह समय होता है, जहाँ एक ओर शिक्षक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी *परीक्षा मूल्यांकन* एवं *नए विद्यार्थियों के प्रवेश कार्य* में व्यस्त रहेंगे तो वहीं परीक्षाएँ दे चुके इन विद्यार्थियों को तथाकथित अध्ययन से मुक्ति मिलेगी। वास्तव में यह समय अध्ययन से मुक्ति का नहीं बल्कि पाठ्यक्रम से अतिरिक्त पुस्तकों से खुद को जोड़ने का है। आपमें से कुछ विद्यार्थी इस समय का सदुपयोग किसी सर्टिफिकेट कोर्स, इंटर्नशिप, नई भाषा सीखने, नया कौशल सीखने, आदि सृजनात्मक कार्यों में कर रहे हैं अथवा करेंगे। यह निश्चित ही प्रशंसनीय है।

यह समय उन विद्यार्थियों के लिए अधिक महत्त्वपूर्ण एवं संवेदनशील है जो इस बार अपना स्नातक (ग्रेजुएशन) पूरा कर रहे हैं। यही वह समय होता है जब करियर का चुनाव अपने निर्णायक मोड़ पर होता है। ऐसी स्थिति में तृतीय वर्ष के इन विद्यार्थियों को अधिक सजग और जागरूक रहना चाहिए। इसके लिए अपने शिक्षकों के लगातार संपर्क में रहते हुए उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करना उत्तम एवं लाभप्रद विकल्प हो सकता है।

'संकलन' प्रकाशन के इस पुनीत कार्य के लिए मैं एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. की निदेशक आदरणीया *प्रो. गीता भट्ट* एवं एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. के उप-निदेशक *डॉ. सुरेंद्र कुमार* को सादर धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ कि जिनके प्रत्यक्ष-परोक्ष मार्गदर्शन से महाविद्यालय केन्द्र इन गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन कर पाया। मैं महाविद्यालय की प्राचार्य आदरणीया *प्रो. प्रत्यूष वत्सला* का धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ कि जिनके अनुभव एवं मार्गदर्शन से यह अंक आपके समक्ष प्रस्तुत हो पाया। मैं धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ महाविद्यालय केन्द्र-प्रभारी *सुश्री अनीता* एवं संयुक्त केन्द्र-प्रभारी *सुश्री लक्ष्मी तिवारी* का जिनके अथक एवं अनवरत प्रयासों से इस संकलन का प्रकाशन संभव हुआ। इसी कड़ी में, समस्त प्राध्यापक साथियों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का बहुत- बहुत आभार और अभिनन्दन…

प्रस्तुत इस अंक में सत्र 2024-25 के दौरान एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. के लक्ष्मीबाई कॉलेज केंद्र पर आयोजित की गई गतिविधियों का ब्यौरा आपके समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। आप में से कुछ विद्यार्थी एवं शिक्षक इस पत्रिका का हिस्सा बने हैं। आशा है अन्य शेष अगली बार इसका हिस्सा बनेंगे!!!

इन्हीं शुभेच्छाओं के साथ...

जून, 2025 (दिल्ली)

श्री अजय कुमार कुमावत

प्राध्यापक (इतिहास)

नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड,

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय केन्द्र,

दिल्ली विश्वविद्यालय

रिपोर्ट

ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2024-2025

दिनाँक : 21 सितम्बर, 2024

तिथि : आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्थी,

विक्रम संवत्सर २०८१

रविवार, 21 सितम्बर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी.) के लक्ष्मीबाई महाविद्यालय केन्द्र पर सत्र 2024-2025 में नया प्रवेश पाने वाली प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए **'ओरिएंटेशन प्रोग्राम'** आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय परिसर स्थित '**ललित कला प्रांगण**' में हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्या **प्रो. प्रत्यूष वत्सला** मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. कॉलेज केन्द्र प्रभारी डॉ**. अनिता** एवं केन्द्र उप-प्रभारी **सुश्री लक्ष्मी तिवारी** की गरिमामयी उपस्थिति रही। तो वहीं दूसरी ओर एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. की निदेशिका **प्रो. गीता भट्ट** तथा उप-निदेशक **डॉ. सुरेन्द्र कुमार** इस कार्यक्रम के परोक्ष प्रेरणा स्रोत रहे।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से की गई। दीप प्रज्ज्वलन के समय संस्कृत विषय के प्राध्यापक **श्री सूर्यभान यादव** के द्वारा मंगलाचरण वंदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात स्वागत परंपरा की कड़ी में केंद्र प्रभारी डॉ. अनीता चौहान द्वारा महाविद्यालय प्राचार्या प्रो. प्रत्यूष वत्सला को पादप भेंट किया गया।

(दीप प्रज्ज्वलन करते हुए आदरणीया प्राचार्या महोदया प्रो. प्रत्यूष वत्सला)

(प्राचार्या महोदया प्रो. प्रत्यूष वत्सला का स्वागत करते हुए केंद्र प्रभारी डॉ. अनीता चौहान)

(कॉलेज केन्द्र के संस्कृत विषय के प्राध्यापक श्री सूर्यभान यादव द्वारा मंगलाचरण)

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए, केन्द्र प्रभारी **डॉ. अनिता चौहान** ने अपना स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. का सामान्य परिचय छात्राओं के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए उनका स्वागत किया। साथ ही उन्होंने कहा कि स्नातक में अपने अध्ययन कार्य के दौरान छात्राओं को अनेक अवसर प्राप्त होंगे। अतः छात्राओं को उन अवसरों का अधिकतम लाभ लेना चाहिए। आगे उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे कक्षा कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी करते हुए नित्य नया सीखने के लिए प्रेरित रहे।

(स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए केन्द्र प्रभारी डॉ. अनिता चौहान)

कार्यक्रम के अगले चरण में, मुख्य वक्ता के रूप में कॉलेज प्राचार्या महोदया **प्रो. प्रत्यूष वत्सला** का उद्बोधन प्राप्त हुआ। उन्होंने उच्च शिक्षा में प्रवेश करने पर सभी छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए अपने वक्तव्य की शुरुआत की। उन्होंने सभी छात्राओं से जीवन को आनंदपूर्वक और उत्साहित होकर जीने का आह्वान किया। आगे उन्होंने कहा कि सदैव अच्छे कार्य करते रहना और सामाजिक विकास में सक्रिय भागीदारी करते रहना ही मनुष्य को विशिष्ट बनाता है।

उन्होंने कहा कि हम सबके सामने अनेक प्रकार की चुनौतियाँ आती हैं, जिनका हमें डटकर सामना करना चाहिए। इसी सन्दर्भ में उन्होंने एक गीत का दोहरान करवाया। छात्राओं में इसे लेकर अत्यंत उत्साह दिखाई दिया। गीत के बोल इस प्रकार थे –

"संग्राम ज़िंदगी है, लड़ना इसे पड़ेगा।

जो लड़ नहीं सकेगा, आगे नहीं बढ़ेगा।।"

(मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित करते हुए प्राचार्या महोदया प्रो. प्रत्यूष वत्सला)

कार्यक्रम की अगली कड़ी में, कॉलेज केंद्र की संयुक्त-प्रभारी **सुश्री लक्ष्मी तिवारी** ने कहा ने एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. की छात्राओं की क्षमताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि एक ओर जहाँ नियमित (Regular) कॉलेज आने वाले विद्यार्थी सप्ताह में 6 दिन कॉलेज आते हैं तो वहीं एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. की कक्षाएँ केवल सप्ताहांत में आयोजित होती हैं। ऐसी स्थिति में एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. की छात्राओं के पास

व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कार्य करने के विकल्प एवं अवसर भी अधिक होते हैं। अतः उनकी व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जिम्मेदारियाँ निर्वहन करने की क्षमताएँ भी अधिक हैं।

तत्पश्चात, उन्होंने कॉलेज केन्द्र पर बी.कॉम. प्रोग्राम के अंतर्गत पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। इसके अंतर्गत मुख्य विषयों एवं उनके अंतर्गत पढ़ाए जाने वाले उप-विषयों, प्रश्न पत्रों, अंक विभाजन, इंटरनल असेसमेंट, आदि की जानकारी भी छात्राओं को प्रदान की गई।

(अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए केन्द्र उप-प्रभारी सुश्री लक्ष्मी तिवारी)

इसी क्रम में पाठ्यक्रम परिचय के अंतर्गत बीए प्रोग्राम के अंतर्गत पढ़ाए जाने वाले विषय समूहों (Subject Combinations) की जानकारी प्रदान की गई। यह जानकारी कॉलेज केंद्र के हिंदी विषय के प्राध्यापक **डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह** के द्वारा प्रस्तुत की गई। इसके अतिरिक्त, नव सृजित अंडर ग्रेजुएट करीकुलम फ्रेमवर्क (यू.जी.सी.एफ.), स्किल एनहांसमेंट कोर्स (एस.ई.सी.), वैल्यू एडिशन कोर्स (वी.ए.सी.), आदि कोर्सेस का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके महत्त्व को स्पष्ट किया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित सदस्य **श्री प्रवीण एम. पी.** (सहायक महाप्रबंधक, केनरा बैंक) का उद्बोधन प्राप्त हुआ। उन्होंने बैंक प्रणाली, ऑनलाइन बैंकिंग सुविधाओं, वित्त, साइबर सुरक्षा, बैंक खाते की सुरक्षा, ओटीपी स्कैम, आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक अपनी बात रखी। साथ ही उन्होंने सभी से आग्रह किया की किसी भी प्रकार की वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के लिए किसी संदिग्ध को बैंक संबंधी

अपनी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साथ ही इसकी जानकारी बैंक अधिकारियों, पुलिस, आदि को अवश्य दी जानी चाहिए।

(श्रोताओं को सम्बोधित करते हुए केनरा बैंक के सहायक महाप्रबंधक श्री प्रवीण एम. पी.)

धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के द्वारा कार्यक्रम का औपचारिक समापन हुआ। कार्यक्रम में प्राध्यापकों, गैर-अकादमिक स्टाफ एवं नवागन्तुक छात्राओं सहित कुल 400 से अधिक की उपस्थिति रही। तो वहीं दूसरी ओर, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए समय-सारणी के अनुसार प्रातः काल से ही कक्षाओं का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विषय के प्राध्यापक **श्री अजय कुमार कुमावत** ने किया। कार्यक्रम के पश्चात नया प्रवेश प्राप्त करने वाली छात्राओं के लिए प्रत्यक्ष दस्तावेज जाँच (Physical Document Verification) की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (दिल्ली विश्वविद्यालय)

लक्ष्मीबाई कॉलेज केन्द्र, अशोक विहार

'ओरिएंटेशन कार्यक्रम 2024-2025'

(कार्यक्रम की समय सारणी)

समय : प्रातः 10:00 बजे से

दिनाँक : 21 सितम्बर, 2024 (शनिवार)

स्थान : ललित कला प्रांगण, लक्ष्मीबाई कॉलेज परिसर

कार्यक्रम का सामान्य परिचय एवं मंच संचालन – श्री अजय कुमार कुमावत
दीप प्रज्ज्वलन - प्राचार्य मैम, केन्द्र प्रभारी मैम, केन्द्र सयुंक्त-प्रभारी
मंगलाचरण/मंत्र उच्चारण - श्री सूर्यभान सर
वक्ताओं/अतिथियों का स्वागत - पादप भेंट करते हुए
बीज वक्तव्य (Key Note Speech) - डॉ. अनीता चौहान मैम
प्राचार्या महोदया का उद्बोधन – प्रो. प्रत्यूष वत्सला मैम
पाठ्यक्रम का सामान्य परिचय (बी. ए.) - सुश्री लक्ष्मी तिवारी मैम
पाठ्यक्रम का सामान्य परिचय (बी. कॉम) – डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह सर
प्रश्नोत्तर सत्र (QA Session) - डॉ. अनीता चौहान मैम/ सुश्री लक्ष्मी तिवारी मैम
सूचनाएँ - डॉ. अनीता चौहान मैम
धन्यवाद ज्ञापन - सुश्री लक्ष्मी तिवारी मैम
राष्ट्रगान - सामूहिक
औपचारिक समापन

कार्यक्रम की कुछ झलक

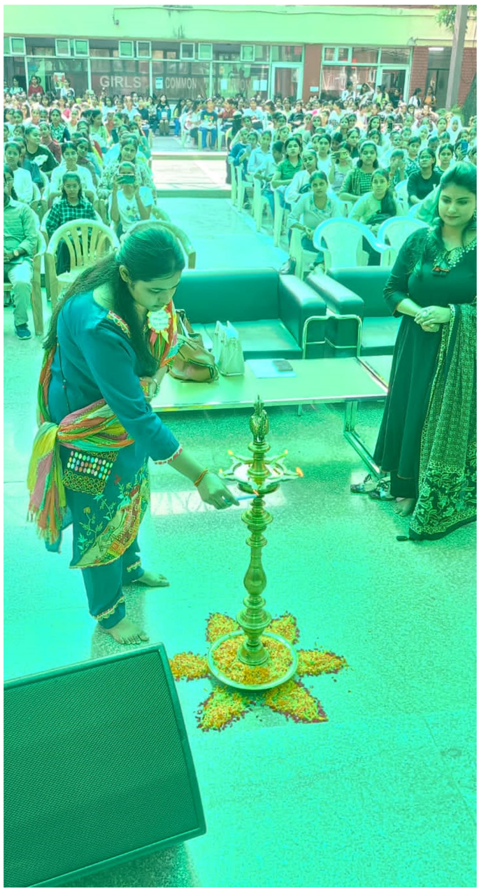
GIRLS COMMON

रिपोर्ट

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती समारोह

दिनाँक : 30 नवम्बर, 2024

तिथि : मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष चतुर्दशी,

विक्रम संवत्सर २०८१

रविवार, 30 नवम्बर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी.) के लक्ष्मीबाई महाविद्यालय केन्द्र पर **लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती समारोह** के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य कॉलेज केन्द्र की छात्राओं को भारतीय इतिहास की लोकनायिका, कुशल शासिका, निपुण रणनीतिकार, कुशल प्रशासक, शस्त्र-शास्त्र में पारंगत अहिल्याबाई होल्कर (1725-1795) के जीवन चरित्र से अवगत कराना था।

इसके अंतर्गत कुल **5 प्रतियोगिताओं** का आयोजन किया गया।

1. Essay Writing (निबंध लेखन)
2. Self Composed Poetry (स्वरचित प्रतियोगिता)
3. Poster Making (पोस्टर निर्माण)
4. Creative Painting (सृजनात्मक चित्रकला)
5. Rangoli Making (रंगोली निर्माण)

प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के लिए एक आयोजन समिति का गठन किया गया। इस समिति में प्राध्यापक/प्राध्यापिका, नॉन-टीचिंग सदस्य एवं छात्राएँ शामिल थीं। प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए 2 समन्वयक प्राध्यापक (2 Teaching Faculties as Co-ordinators), 2 निर्णायक प्राध्यापक (2 Teaching Faculties as Judges) एवं 2 छात्राएँ स्टूडेंट वोलंटियर (2 Students as Student Volunteers) के रूप में निश्चित किए गए।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत कॉलेज परिसर के ललित कला प्रांगण में हुई। सर्वप्रथम कार्यक्रम के समन्वयक प्राध्यापक श्री अजय कुमार कुमावत ने विषय का प्रतिपादन किया। तत्पश्चात कॉलेज केंद्र प्रभारी डॉ. अनीता ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन चरित्र को प्रेरक बताते हुए उनका अनुसरण करने की बात कही। सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन एक साथ समांतर रूप से ललित कला प्रांगण एवं अलग-अलग कक्षों में हुआ। कार्यक्रम में 50 से अधिक छात्राओं ने पंजीकरण एवं प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिताओं के समापन के पश्चात निर्णायक मण्डल द्वारा विजेताओं की घोषणा की गई।

Organising Committee

Patron

Prof. Pratyush Vatsala

(Principal)

Convenor

Ms. Anita

(Teacher-in-Charge)

Co-convenor

Ms. Laxmi Tiwari

(Joint Teacher-in-Charge)

Programme Co-ordinator

Mr. Ajay Kumar Kumawat

Competition	Faculty Co-ordinators	Student Co-ordinators	Judges
Essay Writing	Mr. Ajay kumar Kumawat Mr. Akash Raj	Lavanya (BA 3rd Year) Ruksar (BA 2nd Year)	Dr. Shailendra Kumar Singh Mr. Survesh Pratap Singh
Self Composed Poetry	Mr. Suryabhan Yadav Dr. Neha Gupta	Tanisha (BA 2nd Year) Priya (BA 3rd Year)	Dr. Neeraj Kumar Mishra Mr. Ajay kumar Kumawat
Poster Making	Dr. Khusboo Kumari Ms. Anshika Kaushik	Mayuri Kaushik (BA 2nd Year) Muskan (BA 3rd Year)	Mr. Vishal Vyas Ms. Nikkita Kishnani
Creative Painting	Mr. Ankit Kumar Ms. Tanya Khaneja	Vaishnavi Sethi (BA 2nd Year) Kashish (BA 3rd Year)	Ms. Vaishali Jain Mr. Asmit Sharma
Rangoli Making	Ms. Shanu Ms. Nancy Gupta	Tanu (BA 3rd Year) Nidhi (BA 2nd Year)	Dr. Khusboo Kumari Mr. Harsh Varshney

Winners of Competitions (Competitions based Ahilyabai Holkar)

Competition	First Rank	Second Rank	Third Rank
Essay Writing	Jeba Parveen B.A. (Prog.) Third Year	Ruksar B.A. (Prog.) Second Year	Mrinalini B.A. (Prog.) Third Year
Self Composed Poetry	Sonika B.A. (Prog.) Third Year	Tanisha B.A. (Prog.) Second Year	Kajal B.A. (Prog.) First Year
Poster Making	Sapna B.A. (Prog.) First Year	Neha B.A. (Prog.) First Year	Khushi Parveen B.A. (Prog.) Third Year Ifat B.A. (Prog.) Third Year
Creative Painting	Bhawna B.A. (Prog.) Third Year	Tashu B.A. (Prog.) Second Year	Rashmi B.A. (Prog.) First Year
Rangoli Making	Indu B.A. (Prog.) First Year	Shruti Mishra B.Com. (Prog.) Third Year	Gungun B.Com. (Prog.) First Year

कार्यक्रम की कुछ झलक

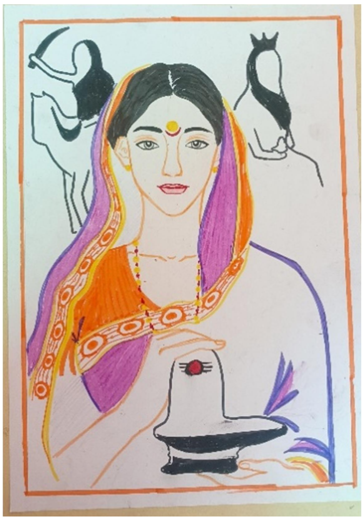

लोकमाता अहिल्या बाई

रिपोर्ट

एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. मुख्य कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'यूथ फ़ॉर साइबर वेलनेस' में लक्ष्मीबाई कॉलेज केन्द्र की सहभागिता

दिनाँक : 14 जनवरी, 2025

तिथि : माघ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा,

विक्रम संवत्सर २०८१

दिनाँक 14 जनवरी, 2025 (मंगलवार) को दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एन.सी.डबल्यू.ई.बी.) और रिस्पॉन्सिबल नेटिज़्म के संयुक्त तत्त्वावधान में 'यूथ फॉर साइबर वेलनेस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र (Conferece Centre) में आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. विकास गुप्ता (कुल सचिव, दिल्ली विश्वविद्यालय), अध्यक्ष प्रो. बलराम पाणि (अधिष्ठाता महाविद्यालय एवं चेयरपर्सन एन.सी.डबल्यू.ई.बी.), प्रो. गीता भट्ट (निदेशक, एन.सी.डबल्यू.ई.बी.), वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ सुश्री सोनाली पाटणकर (फाउंडर एवं सीईओ, रिस्पॉन्सिबल नेटिज़्म), श्री उन्मेष जोशी (को-फाउंडर एवं सीओओ, रिस्पॉन्सिबल नेटिज़्म), डॉ. सुरेन्द्र कुमार (उपनिदेशक, एन.सी.डबल्यू.ई.बी.) व डॉ. प्रेमपाल सिंह (प्रभारी, पी.जी. सेंटर) सहित अन्य विद्वतजन उपस्थित रहे।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता (रजिस्ट्रार, डीयू) ने छात्राओं को कहा कि इंटरनेट की दुनिया में बिना किसी विश्वसनीयता के किसी से कोई जानकारी साझा न करें। आगे उन्होंने कहा कि डिजीटल अरेस्ट, साइबर क्राइम जैसे मामलों की रिपोर्ट सबसे पहले अपने माता-पिता से उसके बाद पुलिस रिपोर्ट जरूर करें, इसके लिए खुद को किसी भी तरह नुकसान पहुँचाने की आवश्यकता नहीं है।

एन.सी.डबल्यू.ई.बी. की निदेशक प्रो.गीता भट्ट ने कहा आज के तकनीकी युग में एक तरफ तकनीक ने हमारा जीवन आसान किया तो वहीं कई चुनौतियाँ भी साथ लेकर आई है। रिस्पॉन्सिबल नेटिज़्म की 'यूथ फॉर साइबर वेलनेस' पर सेमिनार साइबर जागरूकता की दृष्टिकोण से बेहद प्रासंगिक है।

प्रो. बलराम पाणि (डीन ऑफ कॉलेजेज़, डीयू) ने आज के तकनीकी युग में साइबर सिस्टम के सम्पूर्ण मकेनिज़्म, सपोर्ट सिस्टम, नकारात्मक पहल, कम जानकारी पर बात करते हुए समाधान हेतु संरचनात्मक दृष्टिकोण के व्यापक पहल की बात की। इसके लिए एन.सी.डबल्यू.ई.बी. व रिस्पॉन्सिबल नेटिज़्म बधाई के पात्र हैं।

स्पीकर सेशन में क्रमशः श्री उन्मेष जोशी द्वारा 'साइबर वॉयलेंस अगेन्स्ट यूथ' विषय पर साइबर क्राइम व साइबर अवेयरनेस की विस्तृत जानकारी एवं सुश्री सोनाली पाटणकर द्वारा 'साइबर क्राइम अगेन्स्ट वुमेन' पर केन्द्रित साइबर ब्लैकमेलिंग, सेक्सटॉर्शन, न्यूडफोटोज़, ऑनलाइन रिलेशनशिप, मेंटल हैरास्मेंट आदि के संदर्भ में छात्राओं की शंकाओं को दूर कर सचेत किया गया। इसमें साइबर अपराधियों की रणनीति, उनकी प्रवृत्तियाँ और सरकारी संस्थानों के गतिविधियों की बारीक तुलनात्मक जानकारी भी दी गई। अंत में इन अपराधों के समाधान और रिपोर्ट की प्रक्रिया तथा विभिन्न माध्यमों की जानकारी देकर छात्राओं को रेजिलिएंस बिल्ड करने के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में एन.सी.डबल्यू.ई.बी. के 19 केन्द्रों से 450 से अधिक छात्राओं पंजीकरण कराया। इन केन्द्रों से कई शिक्षकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराई। समापन सत्र में एन.सी.डबल्यू.ई.बी. की निदेशक प्रो. गीता भट्ट के सम्बोधन के साथ ही इस कार्यक्रम की औपचारिक समाप्ति की। कार्यक्रम में लक्ष्मीबाई कॉलेज केन्द्र की ओर से इस कार्यक्रम में छात्राओं तथा प्राध्यापकों एवं प्राध्यापिकाओं सहित लगभग 30 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की कुछ झलक

रिपोर्ट

सरस्वती पूजन एवं हवन

दिनाँक : 2 फरवरी, 2025

तिथि : माघ शुक्ल पक्ष पंचमी,

विक्रम संवत्सर २०८१

रविवार, 2 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी.) के लक्ष्मीबाई महाविद्यालय केन्द्र पर कॉलेज केन्द्र की छात्राओं एवं प्राध्यापकों द्वारा बसन्त पंचमी के अवसर पर **'सरस्वती पूजन एवं हवन'** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय परिसर स्थित '**माँ सरस्वती की प्रतिमा**' के समक्ष हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्या **प्रो. प्रत्यूष वत्सला** के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने उपस्थित सभी छात्राओं, प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। हवन में कॉलेज केंद्र की छात्राओं, प्राध्यापकों-प्राध्यापिकाओं ने हवन सामग्री की आहूति देते हुए संपूर्ण विश्व के कल्याण की कामना की। हवन के समय मंत्रोच्चारण का कार्य एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. के लक्ष्मीबाई कॉलेज केन्द्र के ही संस्कृत विषय के अतिथि प्राध्यापक श्री सूर्यभान यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. कॉलेज केन्द्र प्रभारी डॉ**. अनिता** एवं केन्द्र उप-प्रभारी **सुश्री लक्ष्मी तिवारी** की गरिमामयी उपस्थिति रही।

रिपोर्ट

खेल दिवस (Sports Day) 2024-2025

दिनाँक : 2 फरवरी, 2025

तिथि : माघ शुक्ल पक्ष पंचमी,

विक्रम संवत्सर २०८१

रविवार, 2 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी.) के लक्ष्मीबाई महाविद्यालय केन्द्र पर कॉलेज केन्द्र की छात्राओं के लिए **'खेल दिवस (Sports Day'** आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय परिसर स्थित '**खेल मैदान**' में हुआ।

कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्या **प्रो. प्रत्यूष वत्सला** मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्राओं को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेल-कूद जैसे शारीरिक गतिविधियों को भी दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल करने का महत्त्व बताया। कार्यक्रम में एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. कॉलेज केन्द्र प्रभारी डॉ**. अनिता** एवं केन्द्र उप-प्रभारी **सुश्री लक्ष्मी तिवारी** की गरिमामयी उपस्थिति रही। तो वहीं दूसरी ओर एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. की निदेशिका **प्रो. गीता भट्ट** तथा उप-निदेशक **डॉ. सुरेन्द्र कुमार** इस कार्यक्रम के परोक्ष प्रेरणा स्रोत रहे।

स्पोर्ट्स डे के अंतर्गत कुल पाँच खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

1. 100 मीटर दौड़ (100 Meter Race)

2. नींबू चम्मच दौड़ (Lemon Spoon Race)

3. बौरा दौड़ (Sack Race)

4. रस्सी कूद (Skiiping Rope)

5. म्यूजिकल चेयर (for Teaching & Non-Teaching Staff only)

विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए कुल 197 छात्राओं ने पंजीकरण करवाया। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम तीन प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया। छात्राओं की प्रतियोगिताओं के पश्चात टीचिंग एवं नॉन-टीचिंग स्टाफ सदस्यों के लिए भी एक प्रतियोगिता **'म्यूजिकल चेयर'** का आयोजन किया गया।

(कार्यक्रम का निमंत्रण पोस्टर)

रिपोर्ट

एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. मुख्य कार्यालय के 80वें वार्षिक महोत्सव में लक्ष्मीबाई कॉलेज केन्द्र की सहभागिता

दिनाँक : 7 अप्रैल, 2025

तिथि : चैत्र शुक्ल पक्ष दशमी,

विक्रम संवत्सर २०८१

दिनाँक 7 अप्रैल 2025, दिन सोमवार को सत्यवती महाविद्यालय के सत्या सभागार में एन.सी.डबल्यू.ई.बी. ने अपना 80वाँ वार्षिकोत्सव मनाया। इस वार्षिकोत्सव की थीम "संस्कृति और सभ्यता का महाकुम्भ- देशज मेलों में झलकती भारतीय संस्कृति" थी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबा भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के माननीय कुलपति प्रो. आर. के. मित्तल ने भारतीय सभ्यता व संस्कृति के मूल आत्मबोध व समावेशी दृष्टिकोण पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस वार्षिकोत्सव का लक्ष्य पिछले एक अकादमिक सत्र के दौरान एन.सी.डबल्यू.ई.बी. की वार्षिक प्रगति और उपलब्धियों को सबके सामने रखने के साथ छात्राओं की अकादमिक उत्कृष्टता, सांस्कृतिक सहभागिता का सम्मान करना भी था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बाबा भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के माननीय कुलपति प्रो. आर. के. मित्तल, विशिष्ट अतिथि प्रो. सुभाष कुमार सिंह, प्राचार्य, सत्यवती महाविद्यालय, प्रो. हरिमोहन शर्मा, प्राचार्य, सत्यवती महाविद्यालय(सांध्य) की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता एवं एन.सी.डबल्यू.ई.बी. के चेयरपर्सन प्रो. बलराम पाणि को करनी थी जो अपरिहार्य कारणों से उपस्थित नहीं हो सके। इसके अतिरिक्त एन.सी.डबल्यू.ई.बी. की निदेशक प्रो. गीता भट्ट व उपनिदेशक डॉ. सुरेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे।

एन.सी.डबल्यू.ई.बी. छात्राओं की निदेशक प्रो. गीता भट्ट ने छात्राओं के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इसके साथ ही सत्र 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट पढ़ते हुए एन.सी.डबल्यू.ई.बी. की छात्राओं की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के साथ प्लेसमेंट का विवरण भी दिया। साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एन.सी.डबल्यू.ई.बी. की छात्राओं की आर्थिक सहायता, फेलोशिप, पुस्तकालय सुविधा का भी ज़िक्र किया।

इस वार्षिकोत्सव में सभी 26 केन्द्र और एक पीजी केंद्र के सभी अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। छात्राओं ने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर एक उत्कृष्ट नाट्यप्रस्तुति भी की। सांस्कृतिक प्रस्तुति प्रतियोगिता में कुल 15 प्रतिभागी दलों ने भाग लिया जिसमें से तीन सर्वश्रेष्ठ दलों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में 800 से अधिक छात्राओं की उपस्थिति रही।

उपरोक्त विषय-वस्तु पर आधारित इस नृत्य प्रतियोगिता में कॉलेज केन्द्र की ओर से कुल 14 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इन छात्राओं न केवल प्रतिभाग किया बल्कि शीर्ष पाँच (Top Five) में भी अपनी पहचान बनाई। जिसकी स्वयं एन.सी.डबल्यू.ई.बी.की निदेशिका प्रो. गीता भट्ट, निर्णायक मंडल एवं दर्शकों ने भी उन्मुक्त हृदय से प्रशंसा की।

भारत के अनेक राज्यों को प्रस्तुत करती इस प्रस्तुति में कॉलेज केन्द्र की ओर से – कशिश, नेहा, निशा, कहकशा, पूजा, शिवानी, अनिशा, माही, एहसास, आँचल, एकता, भूमिका, तनिष्का और खुशी- ने प्रतिभाग किया। इन सभी छात्राओं ने कॉलेज केन्द्र का नाम सभी 27 सेंटर के बीच बुलन्दी के साथ रखा।

साथ ही कॉलेज केन्द्र की कुल 10 अकादमिक प्रतिभावान छात्राओं (Acadmic Toppers) को एन.सी.डबल्यू.ई.बी. मुख्य कार्यालय द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया।
प्रथम वर्ष – निधि (बी.ए.), झलक (बी.कॉम.)
द्वितीय वर्ष – राधा शर्मा (बी.ए.), गीतांशी (बी.कॉम.)
तृतीय वर्ष – हिबा (बी.ए.), रुबैय्या खातून (बी.ए.), अनुष्का (बी.ए.)
करिश्मा (बी.कॉम.), आशा कुमारी (बी.कॉम.), करिश्मा (बी.कॉम.)

कार्यक्रम में कॉलेज केन्द्र की ओर से कॉलेज केन्द्र प्रभारी सुश्री अनिता एवं संयुक्त-केन्द्र प्रभारी सुश्री लक्ष्मी तिवारी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कॉलेज केन्द्र की ओर से प्राध्यापिकाएँ सुश्री शानु एवं तान्या खनेजा उपस्थित रहे। तो वहीं प्राध्यापक डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह, श्री सूर्यभान यादव एवं श्री अजय कुमार कुमावत बतौर **कार्यक्रम आयोजन समिति सदस्य** कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की झलक

(कार्यक्रम का पोस्टर)

(छायाचित्र: कार्यक्रम में सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत करते हुए लक्ष्मीबाई कॉलेज केन्द्र की छात्राएँ)

रिपोर्ट

कॉलेज केन्द्र का वार्षिकोत्सव

दिनाँक : 13 अप्रैल, 2025

तिथि : वैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा,

विक्रम संवत्सर २०८१

एन.सी.डबल्यू.ई.बी. लक्ष्मीबाई केंद्र ने वार्षिकोत्सव मनाया

13 अप्रैल 2025, दिन रविवार को लक्ष्मीबाई कॉलेज के ललित कला प्रांगण में एन.सी.डबल्यू.ई.बी. लक्ष्मीबाई केंद्र ने अपना वार्षिकोत्सव मनाया। इस वार्षिकोत्सव की थीम "साहित्य और संस्कृति का समागम" थी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. किरन हजारिका (सम-कुलपति, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय), सारस्वत अतिथि सुश्री पूनम शर्मा भारद्वाज (विधायक, वजीरपुर क्षेत्र, दिल्ली), विशिष्ट अतिथि श्री जीपी तयाल, प्रो. प्रत्यूष वत्सला (प्राचार्य, लक्ष्मीबाई कॉलेज), सुश्री अनिता(प्रभारी, लक्ष्मीबाई केंद्र), सुश्री लक्ष्मी तिवारी (सह-प्रभारी, लक्ष्मीबाई केंद्र) की गरिमामयी उपस्थिति थी।

दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती स्तुति के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई।

दीप प्रज्ज्वलन के बाद स्वागत वक्तव्य में प्राचार्य ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उनके प्रति अपनी कृतज्ञता भी अर्पित की और छात्राओं को विषम परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए विकसित भारत, भारतीय संस्कृति आदि में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने लक्ष्मीबाई कॉलेज और एल.एन.टी. के साथ कौशल विकास के लिए किए गए समझौते को जानकारी दी जो छात्राओं को वर्तमान जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षित करेंगे।

सारस्वत अतिथि सुश्री पूनम शर्मा भारद्वाज ने कॉलेज को संस्कार, संस्कृति, उत्कृष्टता आधारशिला घोषित करते हुए कहा कि जहाँ कलम उठाने की जरूरत हो वहाँ कलम उठाइए और कहाँ शस्त्र उठाने की आवश्कता हो वहाँ शस्त्र उठाना सीख लीजिए।

विशिष्ट अतिथि श्री जीपी तयाल जी ने अंगदान की विस्तृत जानकारी देते हुए जीवन के साथ राष्ट्र उत्थान में योगदान और जीवन के बाद अंगदान के लिए छात्राओं को प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि प्रो. किरन हजारिका ने एन.सी.डबल्यू.ई.बी. द्वारा महिला शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए नजरिया बदलते हुए अपने घर में ही इसे लागू करना होगा, जो आगे चलकर स्त्री शक्ति की बहुस्तरीय रचनात्मक शक्ति को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृति में कौशल विकास के साथ स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान निश्चित समयावधि पर सांस्कृतिक झकियों की सुंदर प्रस्तुतियाँ होती रहीं। इस वर्ष वार्षिकोत्सव में पिछले अकादमिक सत्र के दौरान एन.सी.डबल्यू.ई.बी. लक्ष्मीबाई केंद्र की वार्षिक प्रगति और उपलब्धियों को सबके सामने रखने के साथ छात्राओं की अकादमिक उत्कृष्टता, खेल और सांस्कृतिक सहभागिता को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लगातार सराबोर रहा। इन प्रस्तुतियों में भारत सांस्कृतिक विविधता और अखंडता की झलक साफ नजर आ रही थी।

(सांस्कृतिक प्रस्तुति की झलक)

(अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने वाली छात्राओं का सम्मान)

एन.सी.डबल्यू.ई.बी. लक्ष्मीबाई केंद्र अकादमिक उत्कृष्ठता और खेल तथा सांस्कृतिक उत्कृष्टता प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम में 500 से अधिक छात्राओं की उपस्थिति रही।

(सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाली छात्राओं का सम्मान)

इसके साथ ही कार्यक्रम की औपचारिक समाप्ति की घोषणा हुई।

(टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ)

रिपोर्ट

तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए विदाई समारोह

दिनाँक : 5 मई, 2025

तिथि : वैशाख शुक्ल पक्ष नवमी,

विक्रम संवत्सर २०८१

दिनाँक 5 मई, 2025 को एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. के लक्ष्मीबाई महाविद्यालय केन्द्र पर तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत इन छात्राओं को शुभकामना संदेश दिया गया। महाविद्यालय केन्द्र-प्रभारी सुश्री अनीता ने सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें एक बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय की संयुक्त केन्द्र-प्रभारी सुश्री लक्ष्मी तिवारी ने छात्राओं से तनाव मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए कहा। विदाई समारोह के पश्चात ये सभी छात्राएँ लक्ष्मीबाई महाविद्यालय (नियमित) के वार्षिक समारोह (ऐन्युअल फेस्ट) में शामिल हुईं।

कुलगीत
दिल्ली विश्वविद्यालय

जयति जय जय–जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्व विद्यालय विहंगम

सकल वसुधा निज कुटुंब की
भावना संस्कृति सनातन
आधुनिक शिक्षा पुरातन
ज्ञान धाराओं का संगम
देश की स्वाधीनता हित
भूमिका शत कोटि वंदन
निष्ठा धृति सत्यम के मंगल
दिव्य भावों का समागम
जयति जय जय–जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम

भव्य महाविद्यालयों के
परिसरों से चिर सुशोभित
श्रेष्ठ गुरुजन कर रहे नित
छात्र और छात्राएँ दीक्षित
सद्चरित्राचार पावन
साधना संकल्प संयम
नवल वैश्विक चेतना
नव क्रान्ति संस्कारों का उद्गम
जयति जय जय–जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्वविद्यालय विहंगम

रचनाकार
गजेन्द्र सोलंकी
अंतरराष्ट्रीय कवि, गीतकार